

|                     |    |
|---------------------|----|
| Jistě               | 10 |
| Nevíš               | 12 |
| Chci slyšet děti    | 14 |
| Můžete              | 16 |
| Ale my              | 18 |
| Kolikrát            | 20 |
| Pozvání             | 22 |
| Nebude              | 24 |
| Bdí a ví            | 26 |
| A přece my          | 28 |
| Nestačíme           | 30 |
| Kdybychom           | 32 |
| To jenom my         | 34 |
| Nemohli             | 36 |
| Maje naději         | 38 |
| Ale světec          | 40 |
| Změny               | 42 |
| Ne my               | 44 |
| Také hrůza          | 46 |
| Vnuťte...           | 48 |
| Nevěstka            | 50 |
| Zase                | 52 |
| A někdo             | 54 |
| Vyhnoti se          | 56 |
| Bratr a sestra      | 58 |
| Trest               | 60 |
| Když odcházeli      | 62 |
| Konec školního roku | 64 |
| My, čekající        | 66 |
| Soulož              | 68 |
| A právě tam         | 70 |
| Pýcha ženy          | 72 |
| Říjen               | 74 |
| K líbání            | 76 |
| Hořce               | 78 |
| Peklo               | 80 |
| Kampak?             | 82 |
| Šílená              | 84 |

|                           |    |
|---------------------------|----|
| Gewiss                    | 11 |
| Du weißt nicht            | 13 |
| Ich will die Kinder hören | 15 |
| Ihr könnt                 | 17 |
| Aber wir                  | 19 |
| Wie oft                   | 21 |
| Einladung                 | 23 |
| Wird es keinen            | 25 |
| Wacht und weiß            | 27 |
| Und doch wir              | 29 |
| Nicht gewachsen           | 31 |
| Wenn wir                  | 33 |
| Nur wir allein            | 35 |
| Sie konnten nicht         | 37 |
| Hoffnung habend           | 39 |
| Aber der Heilige          | 41 |
| Änderungen                | 43 |
| Nicht wir                 | 45 |
| Auch das Grauen           | 47 |
| Zwingt...                 | 49 |
| Dirne                     | 51 |
| Wieder                    | 53 |
| Und jemand                | 55 |
| Meiden                    | 57 |
| Bruder und Schwester      | 59 |
| Strafe                    | 61 |
| Als sie weggingen         | 63 |
| Schuljahresende           | 65 |
| Wir, die Wartenden        | 67 |
| Beischlaf                 | 69 |
| Und gerade dort           | 71 |
| Frauenstolz               | 73 |
| Oktober                   | 75 |
| Zum Küssen                | 77 |
| Bitter                    | 79 |
| Hölle                     | 81 |
| Wohin denn?               | 83 |
| Die Wahnsinnige           | 85 |

|                     |     |
|---------------------|-----|
| Až po kolena        | 88  |
| Jde o jablko        | 90  |
| Dies caniculares I  | 92  |
| Volné vstupenky     | 94  |
| Možná...            | 96  |
| Dneska              | 98  |
| Ano, ale co vy...   | 100 |
| Nada I              | 102 |
| Todo                | 104 |
| Je silně na noc     | 106 |
| Svetýrek            | 108 |
| Četba               | 110 |
| Vérnost             | 112 |
| Už by tu měla být   | 114 |
| Jsou...             | 116 |
| Děti                | 118 |
| Jsou vyšší          | 120 |
| Ustavičně?          | 122 |
| Co mohou ženy?      | 124 |
| Neplač!             | 126 |
| Dies caniculares II | 128 |
| Až                  | 130 |
| Už zase?            | 132 |
| A žena              | 134 |
| Jenom               | 136 |
| A přec              | 138 |
| Ne -                | 140 |
| Lůna                | 142 |
| Také                | 144 |
| Dialog              | 146 |
| Však také           | 148 |
| Hlas I              | 150 |
| Každý               | 152 |
| Teprvé potom        | 154 |
| Ale někdy           | 156 |
| Danajah             | 158 |
| Rozhovor            | 160 |
| Tu a tam            | 162 |

|                          |     |
|--------------------------|-----|
| Dezemberhoch             | 89  |
| Es geht um den Apfel     | 91  |
| Dies caniculares I       | 93  |
| Freikarten               | 95  |
| Vielleicht...            | 97  |
| Heut                     | 99  |
| Ja, aber wie bei euch... | 101 |
| Nada I                   | 103 |
| Todo                     | 105 |
| Kräftig naht die Nacht   | 107 |
| Strickjäckchen           | 109 |
| Lektüre                  | 111 |
| Treue                    | 113 |
| Schon sollte sie da sein | 115 |
| Es gibt...               | 117 |
| Kinder                   | 119 |
| Ist höher                | 121 |
| Immerzu?                 | 123 |
| Was können die Frauen?   | 125 |
| Weine nicht!             | 127 |
| Dies caniculares II      | 129 |
| Bis                      | 131 |
| Schon wieder?            | 133 |
| Und die Frau             | 135 |
| Nur                      | 137 |
| Und doch                 | 139 |
| Nein –                   | 141 |
| Der Mond                 | 143 |
| Auch                     | 145 |
| Dialog                   | 147 |
| Ja doch                  | 149 |
| Stimme I                 | 151 |
| Jedes                    | 153 |
| Erst danach              | 155 |
| Aber manchmal            | 157 |
| Danajah                  | 159 |
| Gespräch                 | 161 |
| Hie und da               | 163 |

|                                  |     |
|----------------------------------|-----|
| Tak žárlí...                     | 164 |
| Noci, má přítelkyně...           | 166 |
| Ale oni                          | 168 |
| A znovu vám - Karle Hynku Mácho! | 170 |
| Panna                            | 176 |
| Ale ty říkáš                     | 178 |
| Že -                             | 180 |
| Podzim                           | 182 |
| Dívka                            | 184 |
| Poušt'                           | 186 |
| Pohyb                            | 188 |
| Zákaz                            | 190 |
| Sám                              | 192 |
| Vrah                             | 194 |
| Smrt                             | 196 |
| Prostor                          | 198 |
| Ale kdo -                        | 200 |
| Zas žádny                        | 202 |
| Variace                          | 204 |
| Pomezí                           | 206 |
| Řekl jsem                        | 208 |
| Ale i ty                         | 210 |
| O suchých dnech                  | 212 |
| Mají to těžší                    | 214 |
| Proč?                            | 216 |
| To jenom my                      | 218 |
| To všechno                       | 220 |
| Jako                             | 222 |
| Že...                            | 224 |
| Rodný kraj                       | 226 |
| Žádné slunce                     | 228 |
| A pak                            | 230 |
| Jeho propasti                    | 232 |
| Jenomže                          | 234 |
| To také                          | 236 |
| Advent                           | 238 |
| Kdo ví?                          | 240 |
| Nada II                          | 242 |

|                                      |     |
|--------------------------------------|-----|
| So eifersüchtelt...                  | 165 |
| Nacht, du Freundin mein...           | 167 |
| Aber jene                            | 169 |
| Und wieder Ihnen - Karl Hynek Mácha! | 171 |
| Jungfrau                             | 177 |
| Aber du sagst                        | 179 |
| Dass -                               | 181 |
| Herbst                               | 183 |
| Junges Mädchen                       | 185 |
| Wüste                                | 187 |
| Bewegung                             | 189 |
| Verbot                               | 191 |
| Allein                               | 193 |
| Mörder                               | 195 |
| Frau Tod                             | 197 |
| Raum                                 | 199 |
| Aber wer -                           | 201 |
| Schon wieder kein                    | 203 |
| Variationen                          | 205 |
| Grenze                               | 207 |
| Ich sagte                            | 209 |
| Aber selbst du                       | 211 |
| An dürren Tagen                      | 213 |
| Sie haben es schwerer                | 215 |
| Warum?                               | 217 |
| Nur wir eben                         | 219 |
| Dies alles                           | 221 |
| Als                                  | 223 |
| Dass...                              | 225 |
| Heimatland                           | 227 |
| Keine Sonne                          | 229 |
| Und dann                             | 231 |
| Seine Schluchten                     | 233 |
| Nur dass                             | 235 |
| Auch das                             | 237 |
| Advent                               | 239 |
| Wer weiß?                            | 241 |
| Nada II                              | 243 |

|                           |     |
|---------------------------|-----|
| Bez                       | 244 |
| Vlastně                   | 246 |
| Pohyb?                    | 248 |
| Jenom tak                 | 250 |
| Jako                      | 252 |
| Prach                     | 254 |
| Strach I                  | 256 |
| Řádky I                   | 258 |
| Ale...                    | 260 |
| Co všechno...             | 262 |
| Nikdo                     | 264 |
| Hluboko v noci            | 266 |
| Stále                     | 268 |
| Oсуд                      | 270 |
| Řádky II                  | 272 |
| Jen                       | 274 |
| Asi ano                   | 276 |
| Na celý hrom              | 278 |
| Nevíme                    | 280 |
| Zapomeneme?               | 282 |
| Hluboko                   | 284 |
| Klade...                  | 286 |
| Nemají čas                | 288 |
| Z dálky do dálky          | 290 |
| Potom                     | 292 |
| Straka                    | 294 |
| Abyssus abyssum           | 296 |
| Na svatbě                 | 298 |
| Opravdu                   | 300 |
| Ó dobo ticha...           | 302 |
| Proč už dnes?             | 304 |
| Komu?                     | 306 |
| Slepě                     | 308 |
| Sám                       | 310 |
| Repone gladium in vaginam | 312 |
| Barva                     | 314 |
| Propast propasti I        | 316 |
| Na podzim                 | 318 |

|                           |     |
|---------------------------|-----|
| Ohne                      | 245 |
| Eigentlich                | 247 |
| Bewegung?                 | 249 |
| Nur so                    | 251 |
| Als                       | 253 |
| Staub                     | 255 |
| Angst I                   | 257 |
| Zeilen I                  | 259 |
| Aber...                   | 261 |
| Was alles...              | 263 |
| Niemand                   | 265 |
| Tief in der Nacht         | 267 |
| Stets                     | 269 |
| Schicksal                 | 271 |
| Zeilen II                 | 273 |
| Nur                       | 275 |
| Wohl ja                   | 277 |
| Samt und donners          | 279 |
| Wir wissen nicht          | 281 |
| Vergessen wir?            | 283 |
| Tief                      | 285 |
| Setzt...                  | 287 |
| Findet nicht einmal Zeit  | 289 |
| Von Ferne zu Ferne        | 291 |
| Danach                    | 293 |
| Elster                    | 295 |
| Abyssus abyssum           | 297 |
| Bei der Hochzeit          | 299 |
| Wahrhaftig                | 301 |
| O Zeit der Stille...      | 303 |
| Warum schon heute?        | 305 |
| Wem?                      | 307 |
| Blind                     | 309 |
| Allein                    | 311 |
| Repone gladium in vaginam | 313 |
| Farbe                     | 315 |
| Schlucht der Schlucht I   | 317 |
| Im Herbst                 | 319 |

|                      |     |
|----------------------|-----|
| Neplač!              | 320 |
| Vanitas              | 322 |
| Střemcha             | 324 |
| V základech          | 326 |
| Stále ona            | 328 |
| Kdopak ví            | 330 |
| Ledaže               | 332 |
| Propast propasti II  | 334 |
| Na žádný hrom        | 336 |
| Zed'                 | 338 |
| Strach II            | 340 |
| Z muže               | 342 |
| Nemusí               | 344 |
| Test                 | 346 |
| Přeludově            | 348 |
| Prosba               | 350 |
| I vrah               | 352 |
| Slza                 | 354 |
| Kočovníci            | 356 |
| Za deště             | 358 |
| Docela jistě         | 360 |
| Na jak dlouho        | 362 |
| Hlas II              | 364 |
| Naděje?              | 366 |
| Na celé ticho        | 368 |
| Hučí jez             | 370 |
| Elegie               | 372 |
| S otázkou            | 374 |
| Partus labyrinthi    | 376 |
| Eva                  | 378 |
| Jiná zed'            | 380 |
| Propast propasti III | 382 |
| Popelec              | 384 |
| Invocat in voce      | 386 |
| Exercicie            | 388 |
| Třpyt                | 390 |
| Stárnutí             | 392 |
| Matko                | 394 |

|                           |     |
|---------------------------|-----|
| Weine nicht!              | 321 |
| Vanitas                   | 323 |
| Traubenkirsche            | 325 |
| Im Fundament              | 327 |
| Immer sie                 | 329 |
| Wer weiß                  | 331 |
| Es sei denn               | 333 |
| Schlucht der Schlucht II  | 335 |
| Keines Donners            | 337 |
| Mauer                     | 339 |
| Angst II                  | 341 |
| Aus dem Mann              | 343 |
| Muss nicht                | 345 |
| Test                      | 347 |
| Chimärisch                | 349 |
| Bitte                     | 351 |
| Auch der Mörder           | 353 |
| Träne                     | 355 |
| Nomaden                   | 357 |
| Im Regen                  | 359 |
| Ganz gewiss               | 361 |
| Für wie lange             | 363 |
| Stimme II                 | 365 |
| Hoffnung?                 | 367 |
| Die Stille, ganz          | 369 |
| Es tost das Wehr          | 371 |
| Elegie                    | 373 |
| Mit der Frage             | 375 |
| Partus labyrinthi         | 377 |
| Eva                       | 379 |
| Eine andere Mauer         | 381 |
| Schlucht der Schlucht III | 383 |
| Aschensegnung             | 385 |
| Invocat in voce           | 387 |
| Exerzitien                | 389 |
| Schimmer                  | 391 |
| Altern                    | 393 |
| Mutter!                   | 395 |

|                    |     |
|--------------------|-----|
| A že právě on      | 396 |
| Kde jsi?           | 398 |
| Dějina             | 400 |
| V posledním tažení | 402 |

|  |     |
|--|-----|
| Und dass gerade er                               | 397 |
| Wo bist du?                                      | 399 |
| Die eine Historie                                | 401 |
| In den letzten Zügen                             | 403 |
| <br>   |     |
| Kommentar <i>Urs Heftrich und Michael Špirit</i> | 405 |
| Nachwort <i>Urs Heftrich</i>                     | 465 |
| Dank   | 487 |